

पार्किंग टेंडर का रिजर्व प्राईज 22 करोड़ निगम को मिल सकता है सबसे बड़ा राजस्व

सोमवार को निगम सदन में आएका प्रस्ताव, मंजूरी के बाद जारी होगा टेंडर

मोनिका रावत | चंडीगढ़
समर न्यूज़

नगर निगम ने शहर की पेड पार्किंग व्यवस्था के संचालन एवं प्रबंधन के लिए करीब 22 करोड़ रुपये के रिजर्व प्राइस के साथ नया टेंडर तैयार किया है। यह प्रस्ताव सोमवार को नगर निगम सदन की बैठक में मंजूरी के लिए रखा जाएगा। सदन की स्वीकृति मिलने के बाद टेंडर जारी होगा। जिस कंपनी की सबसे अधिक बोली होगी, उसे शहर की पार्किंग साइटों का संचालन सौंपा जाएगा। नगर निगम ने पहली बार पार्किंग ठेके के लिए 22 करोड़ रुपये का रिजर्व प्राइस तय किया है। अधिकारियों के अनुसार, यदि इस राशि से अधिक की बोली मिलती है

तो यह निगम के इतिहास में पार्किंग से मिलने वाला सबसे अधिक वार्षिक राजस्व होगा। अब तक निगम को पार्किंग ठेकों से सालाना 10 करोड़ रुपये का राजस्व भी कभी प्राप्त नहीं हुआ है। टेंडर के तहत शहर की 89 पेड पार्किंग साइटों के लिए संशोधित पार्किंग शुल्क भी प्रस्तावित किए गए हैं।

सभी श्रेणी के वाहनों के लिए पहले 10 मिनट की पार्किंग नि:शुल्क रहेगी। इसके बाद सामान्य पार्किंग और प्रीमियम पार्किंग स्थलों के लिए अलग-अलग शुल्क लागू होंगे। टेंडर में चौथे और आठवें वर्ष के अंत में पार्किंग शुल्क बढ़ाने का भी प्रावधान रखा गया है। नगर निगम का मानना है कि नई पार्किंग नीति, संशोधित शुल्क और

प्रस्तावित पार्किंग शुल्क			
सामान्य 89 पार्किंग साइटें			
समय	घर पहिया वाहन	दोपहिया वाहन	
0 से 10 मिनट	मुफ्त	मुफ्त	
10 मिनट से 4 घंटे	₹20	₹10	
4 से 8 घंटे	₹25	₹15	
8 घंटे से अधिक	₹10 प्रति घंटा अतिरिक्त	₹5 प्रति घंटा अतिरिक्त	
12 घंटे का 3-पैस	₹60	---	
एलांते मॉल, फन रिपब्लिक और सेक्टर-34 पिकाडिली पार्किंग			
समय	घर पहिया वाहन	दोपहिया वाहन	
0 से 10 मिनट	मुफ्त	मुफ्त	
10 मिनट से 4 घंटे	₹50	₹35	
4 से 8 घंटे	₹65	₹50	
8 घंटे से अधिक	₹10 प्रति घंटा अतिरिक्त	₹5 प्रति घंटा अतिरिक्त	
कमर्शियल वाहनों के लिए प्रस्तावित शुल्क			
वाहन	10 मिनट से 4 घंटे	4 से 8 घंटे	8 घंटे से अधिक
एलसीबी / फिनी बस / केब	₹35	₹45	₹15 प्रति घंटा अतिरिक्त
टूरिस्ट बस / एलसीबी	₹90	₹95	₹20 प्रति घंटा अतिरिक्त

अधिक प्रतिस्पर्धी बोली प्रक्रिया से न केवल पार्किंग व्यवस्था बेहतर

होगी बल्कि निगम की आय में भी उल्लेखनीय वृद्धि होगी।

चंडीगढ़ में एसडी कॉलेज के बाहर छात्र से मारपीट

समर न्यूज़ | चंडीगढ़

चंडीगढ़ के सेक्टर-32 स्थित एसडी कॉलेज के बाहर एक छात्र के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। घटना का 26 सेकेंड का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में तीन युवक एक छात्र को घेरकर लात-चूंसों से पीटते दिखाई दे रहे हैं। घटना शनिवार दोपहर 12 से 1 बजे के बीच की बताई जा रही है। वायरल वीडियो में कॉलेज के मुख्य गेट के सामने तीन युवक छात्र के साथ मारपीट करते नजर आ रहे हैं। इमर्में दो युवकों ने काले रंग की शर्ट और एक ने लाल रंग की शर्ट पहन रखी है। पीड़ित छात्र काले रंग का कुर्ता-पायजामा पहने दिखाई दे रहा है। पुलिस स्टेशन 34 के प्रभारी इंस्पेक्टर शादी लाल ने बताया कि इस मामले में अभी तक थाने में कोई शिकायत नहीं आई है और न ही पुलिस कंट्रोल रूम पर कोई कॉल प्राप्त हुई है। उन्होंने कहा कि शिकायत मिलने पर वायरल वीडियो और उपलब्ध तथ्यों के आधार पर जांच कर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

सीजीसी लांडरां के सीबीएसए के स्टूडेंट्स को मिल रही है टॉपसंस्थानों में इंटर्नशिप



सागर पाहवा | मोहाली
समर न्यूज़

सीजीसी लांडरां के चंडीगढ़ बिजनेस स्कूल ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन (सीबीएसए), शैक्षणिक उत्कृष्टता और प्रैक्टिकल इंडस्ट्री एक्सपोजरके प्रभावी समन्वय के माध्यम से एक प्रगतिशील बिजनेस स्कूल केरूप में अपनी पहचान को निरंतर मजबूत कर रहा है। संस्थानएमबीए, एमसीए, बीबीए, बीबॉम (ऑनर्स) तथा बीएससी एआई एंवएमएल जैसे प्रोग्राम

ऑफर करता है और छात्रों को आज केडायनामिक प्रोफेशनल परिवेश की आवश्यकताओं के अनुरूप कौशलप्रदान करने पर विशेष ध्यान केंद्रित करता है। संस्थान की गौरवशाली विरासत की एक प्रमुख विशेषता यह रही हैकि इसके छात्रों को रिलायंस, नेस्ले, एयरटेल, टाटा मोटर्स, आईटीसीलिमिटेड, हीरो मोटरकॉर्प, सुन फार्मा, बैंक ऑफ नई यॉर्क मेलोन, टाइम्स ऑफ इंडिया, एलआईसी और एमआरएफ टायर्स जैसीअग्रणी संस्थाओं में उत्कृष्ट इंटरनशिप अवसर प्राप्त हुए हैं।

कोटक महिंद्रा घोटाले का मास्टर माइंड निकला बैंक का वाइस प्रेसिडेंट, एसीबी की चार्जशीट में कई खुलासे

दो फर्जी खाते खोलकर 87 नकली टर्म डिपॉजिट एडवाइस लगाई, आरोपियों ने पूर्व आईएस सुमेधा कटारिया के भी किए थे नकली हस्ताक्षर

मोनिका रावत | चंडीगढ़
समर न्यूज़

पंचकूला नगर निगम में हुए कोटक महिंद्रा बैंक के करीब 150 करोड़ के बैंक घोटाले में एंटी करप्शन ब्यूरो द्वारा दाखिल की गई चार्जशीट में सामने आया है कि आरोपियों ने फर्जी हस्ताक्षर करके दो गैर कानूनी खाते खोले और उसमें 87 नकली टर्म डिपॉजिट एडवाइस लगाई। इस पूरे घोटाले में कोटक महिंद्रा बैंक के डिप्टी वाइस प्रेसिडेंट पुष्पेंद्र सिंह की भूमिका सबसे अहम रही है। दूसरी भूमिका आईएस अधिकारी आर के सिंह की रही है। पिछले सप्ताह दाखिल की गई चार्जशीट का ब्यौरा अब सामने आया है। चार्जशीट के अनुसार आरोपियों ने पहले पंचकूला नगर निगम के अकाउंट से एमसी की तरफ से गैर-कानूनी तरीके से खोले गए दो अकाउंट में 338.27 करोड़



रुपये निकाले। दूसरे स्टेप में, इन अकाउंट से पैसे आरोपियों के अकाउंट में ट्रांसफर किए गए। हालांकि, 234.12 करोड़ रुपये एमसी के लीगल अकाउंट में वापस आ गए। जांच एजेंसी के मुताबिक, आरोपियों के पास अभी भी 104.15 करोड़ रुपये थे। पहले लेयर में, रजत डाहरा को 77.73 करोड़ रुपये, स्वाति तोमर को 9.40 करोड़ रुपये, सोनिया को 50 लाख रुपये, विनोद को 1.41 करोड़ रुपये, एसके एग्रो टेक को 58.01 लाख रुपये, एस के एग्रो फार्म को 53.09 लाख रुपये और कपिल को 4.25 करोड़ रुपये मिले। उक्त व्यक्तिकथित तौर पर आरके सिंह के लिए काम कर रहे थे।

उनके अकाउंट से पैसा सनत एंटप्राइजेज और उससे जुड़ी कंपनियों (66.74 करोड़), स्वाति तोमर (12.63 करोड़), पुष्पेंद्र सिंह (8.33 करोड़), समर मोहन रंगा (5.19 करोड़, और आर्यन सिंह 1.41 करोड़) के पास गया। चार्जशीट के मुताबिक सबसे पहले, जाली दस्तावेजों का इस्तेमाल करके कोटक महिंद्रा में एक गैर-कानूनी अकाउंट खोला गया। फिर आईडीबीआई बैंक के अकाउंट से 21 मई, 2020 को कोटक महिंद्रा बैंक में एमसी पंचकूला के लीगल अकाउंट में 5 करोड़ ट्रांसफर किए गए और इस बदलने की परमिशन ली गई। बैंक में ज़्यादा इंस्ट्रेट रेड का हवाला

देकर एफडी में पैसे जमा करवाए। सीनियर अकाउंट्स ऑफिसर विकास कौशिक, पुष्पेंद्र सिंह और रिलेशनशिप मैनेजर दिलीप राघव ने 28 मई, 2020 की तारीख वाला 5 करोड़ रुपये का एक जाली एफडी एडवाइस एमसी को भेजा। आरोपियों ने उसी दिन वैलिड अकाउंट से 5 करोड़ रुपये निकाल लिए और इसका इस्तेमाल एक गैर कानूनी अकाउंट में पैसे डालने के लिए किया। अगले दिन, उन्होंने दो जाली लेटर तैयार किए, जिन पर उस समय की एमसी कमिश्नर,आईएसएस ऑफिसर सुमेधा कटारिया, जो अब रिटायर हो चुकी हैं, और उस समय के सीनियर अकाउंट्स ऑफिसर सुशील कुमार के जाली साइन थे। ये लेटर कोटक बैंक में जमा किए गए, जिसके जरिए 29 मई, 2020 को रजत डाहरा के अकाउंट में 1.40 करोड़ रुपये और 1.60 करोड़ रुपये ट्रांसफर किए गए। बाकी 2 करोड़ रुपये 6 जून, 2020

राज्य में सबसे अधिक तापमान मोहाली में दर्ज

समर न्यूज़ | चंडीगढ़

पंजाब और चंडीगढ़ में रात के तापमान में उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। पिछले 24 घंटे के दौरान राज्य में सबसे अधिक न्यूनतम तापमान मोहाली में दर्ज किया गया। यहां रात का तापमान 30.4 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया, जिससे लोगों को उमस और गर्मी का सामना करना पड़ा। वहीं, गुरदासपुर में सबसे कम न्यूनतम तापमान 25 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार, चंडीगढ़ में रात के तापमान में 1.8 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। इससे साफ है कि राजधानी क्षेत्र में भी रातें पहले की तुलना में गर्म हो रही हैं। दूसरी ओर, अमृतसर और पठानकोट में रात के तापमान में गिरावट देखने को मिली। पठानकोट में सबसे अधिक 2.1 डिग्री सेल्सियस की कमी दर्ज की गई। मौसम में इस बदलाव के बावजूद कई इलाकों में उमस बरकरार है।

सरकारी जमीन पर अवैध रास्ता बनाने की कोशिशों के विरुद्ध दिया मांग पत्र अवतान सिंह नगला ने सनौती गांव के 17 एकड़ शामलाती जमीन को बचाने की पंजाब विधानसभा स्पीकर से लगाई गुहार

■ बिल्डरों को फायदा पहुंचाने के लिए रास्ता बनाने की तैयारी
गुरमीत सिंह | जीरकपुर
समर न्यूज़

नगर कौंसिल जरकपुर के अंतर्गत आने वाले गांव सनौली में लगभग 17 एकड़ शामिलाली जमीन को लेकर विवाद फिर उभर गया है। कॉमन लैंड प्रोटेक्शन सोसाइटी (रजि.) और शहीद-ए-आजम पीस फ़ोर्स ने पंजाब विधानसभा के स्पीकर को भेजे गए मांगपत्र में आरोप लगाया है कि करीब 200 करोड़ रुपये कीमत वाली इस सरकारी जमीन पर गैरकानूनी ढंग से कब्जा करने और रास्ता बनाने की कोशिश की जा रही है। सोसाइटी ने मामले की निष्पक्ष जांच कराकर जिम्मेदारों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। सोसाइटी के अध्यक्ष अवतार सिंह नगला ने जारी प्रेस नोट के अनुसार, गांव सनौली में दिल्ली वर्ल्ड स्कूल के पास स्थित यह 17 एकड़ जमीन लंबे समय से गांव के दलित समुदाय



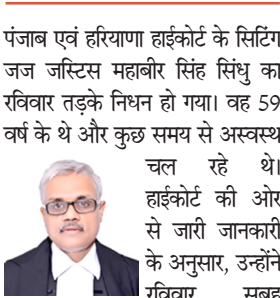
नगर परिषद अधिकारी को मांग पत्र देते अवतार सिंह नगला। - समर न्यूज़

से संबंधित सोमनाथ की कब्जा के अंतर्गत थी। उनके दावे के मुताबिक दिसंबर 2022 में नगर कौंसिल के अधिकारियों ने बिना कानूनी प्रक्रिया अपनाए जमीन अपने कब्जे में ले ली, जबकि माल रिकॉर्ड में अभी भी सोमनाथ का ही कब्जा दर्ज है। मांगपत्र में यह भी आरोप लगाया गया है कि इस सरकारी जमीन के आसपास निजी बिल्डरों की कुछ

जमीनें हैं, जिनसे सरकारी रास्ता नहीं जुड़ता। इसी कारण कुछ लोग शामिलाली जमीन से अवैध तरीके से रास्ता निकालने का प्रयास कर रहे हैं। सोसाइटी ने यह भी कहा कि इस मामले में गांव के दो पूर्व सरपंचों की भूमिका की जांच होनी चाहिए। प्रेस नोट के अनुसार एक पूर्व सरपंच के खिलाफ पहले से ही मामला दर्ज है और वह मामला डेराबस्सी अदालत

पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट के जस्टिस महावीर सिंह सिंधु का निधन

समर न्यूज़ | चंडीगढ़



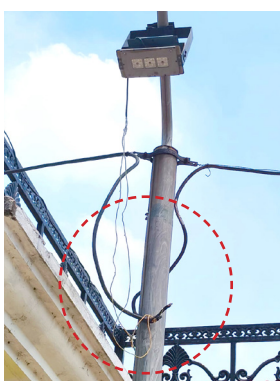
पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के सिटिंग जज जस्टिस महावीर सिंह सिंधु का रविवार तड़के निधन हो गया। वह 59 वर्ष के थे और कुछ समय से अस्वस्थ चल रहे थे। हाईकोर्ट की ओर से जारी जानकारी के अनुसार, उन्होंने रविवार सुबह 2:50 बजे गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल में अंतिम सांस ली। जस्टिस महावीर सिंह सिंधु हरियाणा के हांसी जिले के गांव मासूटपुर के रहने वाले थे। उनका जन्म 4 अप्रैल 1967 को हुआ था। उन्होंने प्रारंभिक शिक्षा राजकीय हाई स्कूल, मासूटपुर से प्राप्त की। इसके बाद उन्होंने 1992 में पंजाब यूनिवर्सिटी, चंडीगढ़ से एलएलबी की डिग्री हासिल की और उसी वर्ष बार काउंसिल ऑफ पंजाब एंड हरियाणा में बतौर वकील पंजीकरण करवाया। जस्टिस सिंधु पहली पीढ़ी के वकील थे। उन्होंने मुख्य

रूप से पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट में सिविल, क्रिमिनल, संवैधानिक और सर्विस लॉ से जुड़े मामलों में प्रैक्टिस की। क्वालत के दौरान उन्होंने हरियाणा लोक सेवा आयोग, कुश्नेत्र विश्वविद्यालय, इंडियन रेड क्रॉस सोसायटी, सहकारी बैंकों और बीएसएनएल सहित कई संस्थाओं और सरकारी निकायों का प्रतिनिधित्व किया। उन्हें 10 जुलाई 2017 को पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट का अतिरिक्त जज नियुक्त किया गया था। इसके बाद 3 दिसंबर 2018 को उन्हें न्यायी जज बनाया गया। न्यायिक सेवा से पहले वह 1999 में अतिरिक्त केंद्रीय सरकारी स्थायी वकील और 2000 में चंडीगढ़ प्रशासन के अतिरिक्त सरकारी वकील नियुक्त हुए। उन्होंने 2004 से 2008 तक हरियाणा के डिप्टी एडवोकेट जनरल, 2008 से 2009 तक पंजाब के अतिरिक्त एडवोकेट जनरल और 2009 से 2013 तक हरियाणा के अतिरिक्त एडवोकेट जनरल के रूप में भी सेवाएं दीं।

सावधान दर्जनों हादसों के बाद भी बिजली विभाग सो रहा कुंभकरनी नौद भारी पड़ेगी बिजली विभाग की लापरवाही

गुरमीत सिंह | डेराबस्सी
समर न्यूज़

डेराबस्सी क्षेत्र में बिजली विभाग की लापरवाही के चलते दर्जनों हादसे सामने आ चुके हैं। इस लापरवाही के चलते कई बेजुबान पशु अपनी जान गंवा चुके हैं लेकिन बिजली विभाग और स्थानक प्रशासन कोई ध्यान नहीं दे रहा। ऐसी लापरवाही नगर परिषद डेराबस्सी के अधीन पड़ते गांव ईसापुर के नजदीक स्थित भुपिंद्रा एनक्लेव में भी देखने को मिल रही है। इसको लेकर लोगों में रोष पाया जा रहा है। लोगों ने बताया कि बिजली के खंभे के पास पिछले लंबे समय करंट वाली नंगी तारें लटकी हुई हैं, जिन



कारण खम्बे में किसी समय भी करंट आ सकता है। बरसात के दिनों में खतरा और बढ़ जाता है। पहले भी यहां करंट लगने से कुत्ते की मौत हो चुकी है। इसके बावजूद विभाग ने कोई ठोस कदम नहीं उठाया। मानसून शुरू होने

वाला है और बारिश में यह समस्या और गंभीर हो सकती है। खासकर रात में प्रवासी मजदूरों के छोटे बच्चे गलियों में खेलते हैं, जिससे माता-पिता में डर का माहौल है। लोगों ने बताया कि उन्होंने बिजली विभाग को 20-25 बार फोन किए, पर मौके पर कोई कर्मचारी भेजकर मरम्मत नहीं की गई, केवल भरपाई दिलाया गया। उन्होंने प्रशासन और बिजली विभाग से तुरंत कार्रवाई कर नंगी तारों को बदलने और करंट वाले खंभे की मरम्मत कर क्षेत्र को सुरक्षित करने की मांग की है। स्थानीय वासियों ने चेतावनी दी है कि यदि समय पर सुधार नहीं हुआ और जान-माल का नुकसान हुआ तो उसकी पूरी जिम्मेदारी बिजली विभाग की होगी।